भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5628

दिनांक 04 अप्रैल, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं

†5628. श्री सनातन पांडेयः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश में बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए किसी विशेष पैकेज की घोषणा की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस पैकेज के अंतर्गत उपलब्ध कराई जाने वाली संभावित स्वास्थ्य सुविधाओं का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या इससे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होने की संभावना है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ङ): "जन स्वास्थ्य और अस्पताल" राज्य का विषय है, इसलिए देश के सभी नागरिकों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का प्राथमिक उत्तरदायित्व संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार का है। तथापि, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या (सीपीएचसी) प्रदान करने के उद्देश्य से बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं के पुनरुद्धार के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है जिसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत परिचर्या की निरंतरता रखने संबंधी दृष्टिकोण से सामुदायिक स्तर पर प्रभावी, किफायती, गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य परिचर्या शामिल है।

फरवरी 2018 में, भारत सरकार ने बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं के पूर्ण 12 पैकेज के साथ व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तारित श्रृंखला प्रदान करने के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मौजूदा उप-स्वास्थ्य केंद्रों (एसएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) को बदलकर दिसंबर 2022 तक देश भर में 1,50,000 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम), तत्कालीन आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों (एबी-

एचडब्ल्यूसी) की स्थापना की घोषणा की। इन प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में प्रजनन और बाल स्वास्थ्य (आरएमएनसीएचए+एन) सेवाएं, संचारी रोग, गैर-संचारी रोग (एनसीडी) (उच्च रक्तचाप, मधुमेह और मुंह, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के 3 सामान्य कैंसरों जैसे एनसीडी की जांच और प्रबंधन) और मानसिक स्वास्थ्य, ईएनटी, नेत्र विज्ञान, मुख संबंधी स्वास्थ्य, जरावस्था और प्रशामक स्वास्थ्य परिचर्या और अभिघात परिचर्या आदि के लिए अन्य सेवाओं को उत्तरोत्तर जोड़ना शामिल है। एएएम आरोग्य से संबंधित विभिन्न कार्यकलाप जैसे योगा, जुम्बा, शिरोधारा, ध्यान आदि जो बेहतर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सक्षम बनाते हैं, को संचालित करते है। दिनांक 28 फरवरी, 2025 की स्थिति के अनुसार देश भर में कुल 1,76,573 आयुष्मान आरोग्य मंदिर चालू हैं।

*****